वार्षिक पत्रिका No 2

1994–95

प्रवाहिनी

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान

रुड़की – 247 667

राजभाषा विशेषांक

वार्षिक पत्रिका

1994 - 95

प्रवाहिनी

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान

रुड़की - 247 667

सम्पादक मण्डल

डा. दिव्या, वैज्ञानिक "सी"
मनमोहन कुमार गोयल, वैज्ञानिक "बी"
मौहम्मद फ़ुरकानुल्लाह, "वरिष्ठ तकनीकी सहायक"

टंकण

महेन्द्र सिंह , "आशुलिपिक"
दयाल सिंह, "अवर श्रेणी लिपिक"

****
रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। सम्पादक मण्डल का उनसे सहमत होना अनिवार्य नहीं है।

डा० सौभाग्य मल सेठ
निदेशक

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
रुड़की

संदेश

यह हार्दिक प्रसन्नता का विषय है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है ।

संस्थान ने प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ तकनीकी कार्य भी हिन्दी में किये जाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किये हैं । संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में हिंदी भाषा को सहज रुप से माध्यम बनाया जाता है । "प्रवाहिनी" का प्रकाशन इस दिशा में एक उत्तम प्रयास है । संस्थान के सदस्यों में छिपी साहित्यिक प्रतिभा को निखारने में तथा राष्ट्रभाषा हिन्दी के उत्थान में यह पत्रिका सहायक सिद्ध होगी, ऐसा मेरा विश्वास है ।

मै पत्रिका के प्रकाशन की सफलता की शुभकामना करता हूं ।

(सौभाग्य मल सेठ)

हिन्दी दिवस
14 सितम्बर, 1995

सम्पादकीय

नवीन रचनाओं पर आधारित राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान की हिन्दी वार्षिक पत्रिका प्रवाहिनी का द्वितीय खण्ड आपके हाथों में है।

आज की दुनिया तीव्रता के साथ गतिशील है। आज पाठकों को ऐसे साहित्य की आवश्यकता है जो न कि केवल उनका मनोरंजन करे बल्कि साथ ही साथ कम समय में ज्ञानवर्धक जानकारी भी प्रस्तुत करे। हमें यह बताते हुये बहुत ही हर्ष हो रहा है कि हमारे संस्थान में न केवल जलविज्ञान के क्षेत्र में बल्कि अन्य साहित्यिक क्षेत्रों में भी बहुत सी प्रतिभाऐं मौजूद हैं। इन्हीं प्रतिभाओं की मूल रचनाओं का संकलन प्रवाहिनी के इस खण्ड के रुप में आपके सम्मुख है।

हम उन सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने अपने परिश्रम एवं प्रतिभा से प्रवाहिनी के प्रकाशन में अपना सहयोग प्रदान किया है। हम अपने निदेशक महोदय के भी आभारी है, जिनकी प्रेरणा एवं उत्साहवर्धन से ही इस पत्रिका का प्रकाशन सम्भव हो सका है।

सम्पादक मण्डल

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ संख्या
1.	ध्वनि प्रदूषण - डा. आशा कपूर	1
2.	जीवन एवं मृत्यु का रहस्य - आत्म प्रकाश	3
3.	बाढ़ - राजेश्वर मेहरोत्रा	4
4.	रचनात्मक विचार जीवन की दिशा बदल देतें हैं - राकेश गोयल	5
5.	सदाचार - अनिल कुमार लोहानी	7
6.	ग्रीन हाउस प्रभाव : गर्माती धरती से बेखबर दुनिया - उमेश कुमार सिंह	8
7.	मैं कवयित्री नहीं हूं - हन्सी	9
8.	वृक्षों की रक्षा : स्वस्थ पर्यावरण के लिए आवश्यक - राजेश नेमा	10
9.	पोस्टमैन - मनोहर अरोड़ा	11
10.	प्रदूषण - अनिल कुमार	12
11.	जिन्दगी जिन्दादिली का नाम है - गुरदीप सिंह दुआ	13
.12.	किताबी जूँ - मौहम्मद फुरकानुल्लाह	14
13.	बन्द - अनिल कुमार लोहानी	16
14.	सत्य - दिगम्बर सिंह	17
15.	बोध कथा - मोहर सिंह	18
16.	फैक्स : संचार माध्यम की एक उपयोगी तकनीक - मनोज गोयल	19

17. आश्चर्यजनक किन्तु सत्य वार्तालाप 20
- पंकज गर्ग

18. ममता 21
- अन्जु चौधरी

19. मानवता का शत्रु है - जातिवाद 22
- तेजपाल सिंह

20. जल प्रदूषण से मनुष्य को होने वाली बीमारियां 25
- श्याम कुमार

21. 21वीं सदी में मेरे सपनों का भारत 26
- मनोज कुमार सागर

22. 21वीं सदी में मेरे सपनों का भारत 30
- विनय कुमार श्रीवास्तव

23. 21वीं सदी में मेरे सपनों का भारत 32
- पुष्पेन्द्र कुमार अग्रवाल